http://www.uoronline.com

# B.A. (Part I) EXAMINATION, 2019

**(Faculty of Arts)**

**(For Non-Collegiate Candidates)**

## HINDI LITERATURE-II

## हिन्दी साहित्य

## द्वितीय प्रश्न पत्र : कहानी, एवं उपन्यास

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

1. निम्नांकित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये तथा आवश्यकतानुसार साहित्यिक टिप्पणी भी कीजिए :

(क) "जाली का दरवाजा खुला और एक लड़की ने अन्दर झाँका। सुषमा और मीनाक्षी की दृष्टि एकसाथ अपने पर पाकर उसने हड़बड़ाकर दोनों को नमस्कार किया और शायद कैफे में अपनी सखी को न पाकर वह चली गई। उसकी साड़ी को देख सुषमा को कृष्णा मौसी की याद आ गई और उसने मन में सोचा कि मौसी भी बस ऐसी ही हैं, सामने पड़ेगी तो बड़ा दुलार बरसाएँगी। कितना कहा था कि साड़ियाँ कढ़वाकर जल्दी भेज दें। अब सौंठ होकर बैठ गई हैं। उनसे पाँच पैसे का पोस्टकार्ड भी न डाला गया। साड़ियाँ आ जातीं तो पहनी जातीं।" 10

**अथवा**

"नील ने दोनों हाथों में उसका मुख थाम लिया। सुषमा की पलकें फड़फड़ाई। कुछ देर में नील चला जाएगा, इस बात का ज्ञान होते हुए भी वह अपने को उस क्षण की संवेदनाओं में खो देना चाहती थी। कुछ समय पहले तक उसने यह सबकुछ नहीं चाहा था। पर जब अनचाहे ही उसका आँचल इतने सुख से भर गया तो पीछे मुड़कर देखने पर उसे अपना विगत जीवन अत्यन्त शुष्क और सुना-सा प्रतीत हुआ। प्रत्येक दिन की छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान में ही उसकी जिन्दगी चुकती जा रही थी और इस विचार मात्र से ही वह काँप जाती कि यदि नील उसके पास नहीं रहेगा तो क्या होगा।" 10

(ख) "वह मेरे ट्रेनिंग पीरियड की बात है। हम लोग 'कंचन' की धारों में थे। उस समय भी हमारा कैम्प दस हजार फुट पर ही था। हमारा ट्रेनर एक जर्मन था। हम लोग प्रात: माउंटेनियरिंग के लिए कैम्प से साढ़े तीन हजार फुट और ऊपर गये थे। लौटते समय भारी वर्षा होने लगी। उस वर्षा में बल्लमों और कुदालों की सहायता से दो-दो, चार-चार इंच करके उतरना पड़ा। सूर्यास्त के बाद ही कैम्प में पहुँच सके। वर्षा ऐसी थी कि मोटे ऊनी वाटर प्रूफ कपड़े होने पर भी त्वचा के साथ पानी भर जाता था।" 10

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

**अथवा**

"मेरे और मुन्नू के लिए एक लाइन तक नहीं लिखी थी। न प्यार, न आने के लिए कुछ। पूरे साल में पप्पा का यह पहला कार्ड था और हमारे विषय में कुछ नहीं लिखा, जैसे उन्हें मालूम ही नहीं हो कि हम भी यहाँ हैं। क्या पप्पा ने अपने को इतना बदल लिया है ? उन्होंने क्या बदल लिया है, शायद समय ने बदल दिया है। उन्हें ही क्या, सबको ही बदल दिया। मैं क्या कम बदल गयी हूँ ? मुन्नू क्या कम बदला है ? पता नहीं, अम्मा की क्या हालत होगी ? ओह, इन पाँच सालों में क्या कुछ नहीं हो गया।" 10

(ग) "अधजली सिगरेट का एक लम्बा कश खींचते हुए जब जगदीश बाबू ने कैफे में प्रवेश किया तो वह एक मेज पर से प्लेटें उठा रहा था और जब वे पास ही कोने की टेबल पर बैठे तो वह सामने था। मानो घंटों से उनकी, उस स्थान पर आने वाले व्यक्ति की प्रतीक्षा कर रहा था। वह कुछ बोला नहीं है। हाँ नम्रता प्रदर्शन के लिए थोड़ा झुका और मुस्कराया भर था, पर उसके इसी मौन में जैसे सारा 'मीनू' समाहित था।" 10

**अथवा**

"चार दिन तक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है, बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाये। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूँ, तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़े-संगीन देखते ही मुँह फाड़ देते हैं और पैर पकड़ने लगते हैं। यों अँधेरे में तीस-तीस मन का गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था–चार मील तक एक जर्मन नहीं छोड़ा था। पीछे जनरल साहब ने हट आने का कमान किया, नहीं तो ...........।" 10

(घ) "मौसम साफ हो गया था। नदी तो प्राकृतिक है, पर उसके किनारों को कैसा कृत्रिम और सुन्दर बना दिया गया है। लगता है, बाढ़ वगैरह इन नदियों में नहीं आती। नदी क्या, नहर-सी मालूम होती है। जहाँ-तहाँ हंस तैर रहे थे। नदी के किनारे की सड़क प्रायः सूनी थी। क्या लोग इधर घूमने नहीं आतेञ लौटते-लौटते कुछ अँधेरा होने लगा था। ऊपर कमरे में आया। थक बहुत गया था, कुछ खाँसी भी आ रही थी। कुर्सी पर बैठकर अखबार पढ़ते ही पढ़ते नींद आ गयी।" 10

**अथवा**

"आकाश में रंग-बिरंगे फूलों की घटाओं के समान उड़ते हुए और वीणा, वंशी, मुरज, जलतरंग आदि का वृन्दरवन बजाते हुए पक्षी कितने सुन्दर जान पड़ते हैं। मनुष्य ने बन्दूक उठाई, निशाना साधा और कई गाते उड़ते पक्षी धरती पर ढेले



http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

के समान आ गिरे। किसी की लाल पीली चोंचवाली गर्दन टूट गयी है, किसी के पीले सुन्दर पंजे टेढ़े हो गये हैं और किसी के इन्द्रधनुषी पंख बिखर गये हैं। क्षत-विक्षत रक्तस्नान उन मृत अर्धमृत लघु गीतों में न अब संगीत है, न सौन्दर्य है परन्तु तब भी मारने वाला अपनी सफलता पर नाच उठता है।" 10

2. 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए, इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये। 15

**अथवा**

'पचपन खम्भे लाल दीवारें' उपन्यास के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए इस उपन्यास की संवाद योजना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

3. 'नमक का दारोगा' कहानी का प्रमुख पात्र कौन है ? नामोल्लेख करते हुए उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये। 15

**अथवा**

'मधुआ' कहानी की मूलसंवेदना को स्पष्ट करते हुए मधुआ का चरित्र-चित्रण कीजिये। 15

4. 'बसन्त का अग्रदूत' संस्मरणात्मक निबन्ध में अज्ञेय ने निराला की किस विशेषताओं की ओर संकेत किया है, उनको स्पष्ट कीजिये। 15

**अथवा**

'गर्दिश के दिन' आत्मवृत्त की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। 15

5. हिन्दी कहानी की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। 15

**अथवा**

उपन्यास की परिभाषा देते हुए उपन्यास के तत्त्वों की समीक्षा कीजिये। 15

http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com

**http://www.uoronline.com**
**Whatsapp @ 9300930012**
**Send your old paper & get 10/-**
**अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,**
**Paytm or Google Pay से**

http://www.uoronline.com